विद्रोह - समकालीन असीरियन कलाकारों के लिए घोषणापत्र

मौलिक कला बनाने की अपनी इच्छा में मैं प्राचीन हूं। सृजन-कार्य में मैं अकेला महसूस करता हूँ, पर अकेला हूं नहीं। असीरियन सभ्यता के कलाकारों को नई सोच को प्रेरित करना चाहिए और कला के सृजन के माध्यम से विपरीत आत्मसात्करण करना चाहिए। वैश्विक जुड़ाव चाहने वाले असीरियनों द्वारा बनाई गई नई समकालीन कला के समर्थन में मैं निम्नांकित बिंदु पेश करता हूं।

1. आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मक उत्पादन के उद्देश्यों से प्राचीन कला की प्रत्यक्ष प्रतिकृति को हम अस्वीकार करते हैं।

2. हम उन बंद-दिमाग वाले विचारों को अस्वीकार करते हैं जो अमूर्त कला पर कला एवं सुंदरता की पारंपरिक यूरोपीय अभिव्यक्तियों का पक्ष लेते हैं।

3. हम भोज कला नहीं अपनाते। अगर इसका अभ्यास के उच्च स्तरों में कोई योगदान नहीं है, तो आप इसे न देखें।

4. हम अस्वीकार करते हैं कि हम थे और पुष्टि करते हैं कि हम हैं।

5. हम स्वीकार करते हैं कि अन्य सांसारिक संस्कृतियों को उधार लेना, उनसे एकीकृत होना और उनका सम्मान करना ही हमें मजबूत बनाता है। केवल असीरियन कला से ही नहीं, बल्कि कला के साथ उसकी सम्पूर्णता में जुड़ें।

6. हम इस धारणा को स्वीकार करते हैं कि कला में राष्ट्रवाद सूर्य के समान होता है: ज़्यादा क़रीब जाओगे तो जल जाओगे; ज़्यादा दूर रहोगे तो ठंडे हो जाओगे।

7. हम स्वीकार करते हैं कि कला एक ऐसा पुल है जो असीरियनों को दुनिया से और दुनिया को असीरियनों से जोड़ता है।

8. हम स्वीकार करते हैं कि मस्त और रंगीन मोज़े पहनना हमें बहादुर व ज़्यादा अप्रत्याशित महसूस कराता है, जो हमें अज्ञात जल की ओर ले जाता है और बदले में, जीवन में अधिक सफलता प्राप्त कराता है।

9. हम कला बनाते समय सुंदरता, सादगी और शिल्प कौशल ढूंढ़ते हैं। अगर वो हमारे पास यह नहीं है, तो हम उसका आविष्कार करते हैं! हम मौलिकता के प्रति गंभीरता से प्रतिबद्ध हैं।

10. हम कला को मानव अनुभव की चारों दिशाओं में फैलाते हैं: आध्यात्मिक, भौतिक, भावनात्मक और मानसिक।

कला और अमरता बाहों में बाहें डालकर एक साथ कूच करती हैं.

हस्ताक्षरित:

रबेल बेत्शमुएल